Emerging Trends in Education [Vol. VI - No. 1. August 2015. pp 54-69]

कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों का समग्र मूल्यांकन

प्रो. आशा शुक्ला*
अर्चना अरोरा**

प्रस्तावना

शिक्षा को अपने आप में साध्य तथा अन्य वांछनीय लक्ष्यों की पूर्ति का साधन समझा जाता है। शिक्षा के कारण सामाजीकरण की प्रक्रिया को गति मिलती है और समाज में गतिशीतला आती है। समाज के प्रत्येक व्यक्ति और हर एक वर्ग के लिए शिक्षा आवश्यक है लेकिन महिलाओं के लिए इसका महत्व कुछ अधिक ही है। शिक्षा एक ऐसा सशक्त उपकरण है जो नई समाज व्यवस्था का सृजन करने के लिए महिलाओं को सक्षम बनाता है।[1] स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद भारत सरकार का लक्ष्य निरक्षरता को जड़ से उखाड़ना था इसका कारण यह सोचना था कि सचेत साक्षर जनता ही मजबूत राष्ट्र को बना सकती है इसलिए अनेक योजनाएं बनाई गईं। सर्व शिक्षा अभियान के अन्तर्गत ही कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय संचालित किए गए। इनका उद्देश्य उन स्थानों जहाँ अनुसूचित जाति, जनजाति, पिछड़ा वर्ग आदि की बालिकाओं ने अपनी प्राथमिक शिक्षा पूरी नहीं की है उन्हें शिक्षा देना है। विशेषतः शिक्षा के क्षेत्र में पिछड़े ब्लॉक में इनका संचालन किया जाता है जहाँ महिला साक्षरता राष्ट्रीय साक्षरता से कम है। ये विद्यालय उन पिछड़े स्थानों में खोले गए जहाँ बालिकाओं की प्राथमिक शिक्षा के लिए कोई आवासीय विद्यालय नहीं थे। इस योजना में उन बालिकाओं के लिए जिनकी उम्र 10 से ज्यादा की थी तथा किन्हीं कारणों से वे अपनी शिक्षा नहीं प्राप्त कर पाई थीं उनको लक्षित किया गया। इन विद्यालयों के संचालन के लिए गैर सरकारी संगठन एवं नॉन प्राफिट मेकिंग निकायो ने भी योगदान दिया।[2]

कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय (छात्रावास) के उद्देश्य

- शैक्षिक दृष्टि से पिछड़े विकास खण्डों में इनको संचालित किया जा रहा है जहाँ की महिला साक्षरता दर राष्ट्रीय महिला साक्षरता दर से कम है।

---

* (विभागाध्यक्ष) महिला अध्ययन विभाग, बरकतउल्लाहविश्वविद्यालय, भोपाल, मध्य प्रदेश।
** शोधार्थी 34—ए, डी सेक्टर बी.डी ए. कालोनी कोहे ए फिजचा भोपाल, मध्य प्रदेश।

- जहाँ अनुसूचित जाति, जनजाति, पिछड़ा वर्ग तथा अल्पसंख्यक समुदायों का बाहुल्य है और अधिक संख्या में बालिकाएँ शाला अप्रवेशी हैं।
- वह क्षेत्र जहाँ अ.जा., अ.ज.जा., पिछड़ा वर्ग और अल्पसंख्यक समुदाय छोटी–छोटी खोलियों या बिखरे हुए आवासों में रहते हैं और शिक्षा प्राप्त करने में सक्षम नहीं हैं।
- शिक्षा की दृष्टि से वंचित बालिकाओं को शिक्षा के अवसर उपलब्ध कराना।
- बालक बालिकाओं के बीच शिक्षा की दृष्टि से अंतर को समाप्त करना।
- बालिकाओं को उच्च प्राथमिक स्तर की शिक्षा उपलब्ध कराने के लिए आवासीय विद्यालयों की स्थापना करना।
- सर्व शिक्षा अभियान के लक्ष्य को प्राप्त करना।

बालिकाओं का आरक्षण

- 75% बालिकाएँ अ.जा., अ.ज.जा., पिछड़ा वर्ग तथा अल्पसंख्यक समुदाय से होती हैं।
- 25% बालिकाएँ गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन करने वाले परिवारों से आती है।
- विकलांग बालिकाओं को प्राथमिकता दी जाती है।

अध्ययन की आवश्यकता

विभिन्न अनुसूचित जनजाति के विकास के प्रयासों में एक प्रयास कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय है। शोधार्थी ने अनुसूचित जनजाति बाहुल्य क्षेत्र में चलाई जाने वाले कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों (छात्रावासों) के मूल्यांकन हेतु झाबुआ, धार व बैतूल जिलों में संचालित इन विद्यालयों के शैक्षिक, प्रशासनिक व वित्तीय व्यवस्था का अवलोकन कर गहन अध्ययन कर वस्तुस्थिति जानने का प्रयास किया।

अध्ययन के उद्देश्य

- कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों में प्रवेश पूर्व प्रक्रिया का मूल्यांकन करना।
- कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों में प्रवेश प्रक्रिया का मूल्यांकन करना।
- कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों के शिक्षकों की आवश्यक योग्यताओं का अवलोकन करना।
- उपचारात्मक शिक्षण हेतु अंश कालीन शिक्षिकाओं की व्यवस्था का निरीक्षण करना।

- कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों की बालिकाओं की शैक्षिक उपलब्धि, विद्यालय नियमितता, लेखन दक्षता एवं ठहराव पर पड़ने वाले सामाजिक एवं आर्थिक कारकों के प्रभावों का मूल्यांकन करना।
- कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों के भवनों की स्थिति, दैनिक व्यवस्थाओं का मूल्यांकन करना।
- बालिकाओं को कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों में लाने के लिए किए गए अभिप्रेरणा केम्प का मूल्यांकन करना।
- बालिकाओं की सुरक्षा एवं स्वास्थ्य परीक्षणों का मूल्यांकन करना।
- कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों की योजना में नियुक्त सभी प्रशासनिक अमले की भूमिकाओं का उनके दायित्व निर्वहन के संदर्भ में मूल्यांकन करना।
- योजना के सुचारू रूप से संचालन में आ रहे अवरोधात्मक कारणों का विवेचन एवं विश्लेषण करना।

परिकल्पनाएँ

प्रस्तुत अध्ययन के उद्देश्यों के अनुसार निम्नलिखित परिकल्पनाओं का निर्माण किया गया :—

- झाबुआ, धार एवं बैतूल में संचालित कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों (छात्रावासों) में अकादमिक दृष्टि से सार्थक अंतर नहीं है।
- झाबुआ, धार एवं बैतूल जिलों में संचालित कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों (छात्रावासों) में अध्ययनरत बालिकाओं को प्रदान की जाने वाली आर्थिक सुविधाओं में सार्थक अंतर नहीं है।
- झाबुआ, धार एवं बैतूल जिले में कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों (छात्रावासों) के सुचारू संचालन में आ रहे आर्थिक अवरोधात्मक कारणों में कोई सार्थक अंतर नहीं है।
- झाबुआ, धार एवं बैतूल जिले में कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों (छात्रावासों) के सुचारू संचालन में आ रहे सामाजिक अवरोधात्मक कारणों में कोई सार्थक अंतर नहीं है।
- झाबुआ, धार एवं बैतूल जिले में कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों (छात्रावासों) के शैक्षिक विकास में किए जा रहे प्रयासों में कोई सार्थक अंतर नहीं है।

- झाबुआ, धार एवं बैतूल जिले में कस्तूरबा गांधी बालिकाओं (छात्रावासों) के व्यक्तित्व विकास हेतु किए जा रहे प्रयासों में कोई सार्थक अंतर नहीं है।

परिसीमाकंन शोधार्थी ने शोध विषय के अध्ययन हेतु झाबुआ जिले में 06, धार जिले में 13 एवं बैतूल जिले में संचालित 4 कुल 23 कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों का चयन किया है।

आँकड़ों का संकलन आँकड़ों का संकलन प्राथमिक व द्वितीयक सामग्री से किया गया। अध्ययनकर्ता ने प्रवेश पूर्व परीक्षा, उपलब्धि परीक्षण, प्रश्नावली, अवलोकन सूची व अभिलेखों द्वारा आँकड़ों का संकलन किया है।

उपकरणों का विकास

1. **प्रवेश पूर्व परीक्षा प्रश्न पत्र** – : शोधार्थी ने कक्षा छठवीं (सत्र 2013–14) में प्रवेशित छात्राओं का विषयवार शैक्षिक स्तर जानने हेतु कक्षा पाचवीं के आधार पर म.प्र. पाठ्य पुस्तक निगम द्वारा निर्मित विषयवार पुस्तकों द्वारा हिन्दी, अंग्रेज़ी, गणित व पर्यावरण के प्रश्नपत्र विषय विशेषज्ञों के निर्देशन में शोध मानकों के आधार पर बनाये। प्रश्नपत्रों में वस्तुनिष्ठ, अतिलघुउत्तरीय, लघुउत्तरीय व दीर्घउत्तरीय प्रश्नों का समावेश किया गया।

2. **उपलब्धि परीक्षण** – सत्र 2014–15 में कक्षा सातवीं की छात्राओं में शैक्षिक स्तर की प्रगति के मापन हेतु शोधार्थी ने कक्षा छठवीं के म.प्र. पाठ्यपुस्तक निगम द्वारा निर्मित विषयवार पुस्तकों से सभी विषयों हिन्दी, अंग्रेज़ी, गणित, विज्ञान, सा. विज्ञान व संस्कृत के प्रश्नपत्रों का निर्माण किया। इन प्रश्नपत्रों को विषय विशेषज्ञों के निर्देशन में शोध मानकों के आधार पर बनाया गया। प्रश्नपत्रों में वस्तुनिष्ठ, अतिलघुउत्तरीय, लघुउत्तरीय व दीर्घउत्तरीय प्रश्नों का समावेश किया गया।

3. **छात्रावास सम्बन्धी प्रश्नावली** – महिला अध्ययन विभाग द्वारा सन् 2006 में किए गए शोध अध्ययन के समय प्रश्नावलियों का निर्माण विषय विशेषज्ञों के निर्देशन में शोध मानकों के आधार पर किया गया और विश्वसनीयता और वैधता निकाली गई। उन्हीं प्रश्नावलियों का उपयोग शोधार्थी द्वारा अपने शोध के लिए किया गया है।

उपकरणों की विश्वसनीयता एवं वैधता उपलब्धि परीक्षण की वैधता व विश्वसनीयता जानने हेतु भोपाल के फंदा ब्लॉक में संचालित कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय (छात्रावास) तथा अहमदाबाद पैलेस भोपाल में संचालित शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में तीन माह के अंतराल से सभी विषयों के उपलब्धि परीक्षण लिये गये। परीक्षण व पुनः परीक्षण विधि से विश्वसनीयता की जाँच की गई प्रथमतः प्राप्त प्राप्तांकों व द्वितीयक समय में प्राप्त प्राप्तांकों में सहसंबंध निकालकर वैधता की जाँच की गई।

सारणी क्रमांक 1 झाबुआ, धार व बैतूल जिलों की कक्षा छठवीं में अध्ययनरत छात्राओं का विषयवार उपलब्धि परीक्षण के परिणामों का विवरण (सत्र 2013–14)

जिला	कक्षा छठवीं में नामांकित छात्राएं	उपस्थित छात्राएं	विषय								उत्तीर्ण छात्राएं	अनुत्तीर्ण छात्राएं
			हिन्दी		अंग्रेज़ी		गणित		पर्यावरण			
			उत्तीर्ण	अनुत्तीर्ण	उत्तीर्ण	अनुत्तीर्ण	उत्तीर्ण	अनुत्तीर्ण	उत्तीर्ण	अनुत्तीर्ण		
झाबुआ	337	290	32 (11.03%)	258 (88.97%)	13 (4.48%)	277 (95.52%)	33 (11.37%)	257 (88.63%)	22 (7.58%)	268 (92.42%)	6 (2.01%)	284 (97.99%)
धार	666	490	180 (36.73%)	310 (63.27%)	87 (17.75%)	403 (82.25%)	81 (16.53%)	409 (83.47%)	86 (17.55%)	404 (82.45%)	44 (8.97%)	446 (91.03%)
बैतूल	196	143	27 (18.88%)	116 (81.12%)	4 (2.71%)	139 (97.29%)	23 (16.08%)	120 (83.92%)	16 (11.18%)	127 (88.82%)	02 (1.39%)	141 (98.61%)
योग	1199	923	239 (25.89%)	684 (74.11%)	104 (11.26%)	819 (88.74%)	137 (14.84%)	786 (85.16%)	124 (13.43%)	799 (86.57%)	52 (5.63%)	871 (94.37%)

व्याख्या एवं विश्लेषण

सारणी क्रमांक 1 के अनुसार झाबुआ, धार और बैतूल जिलों में संचालित कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों (छात्रावासों) में कक्षा छठवीं में अध्ययनरत छात्राओं के उपलब्धि (प्रवेश पूर्व) परीक्षण के परिणामों का विवरण दिया गया है। झाबुआ जिले में 11.03% छात्राएं, धार जिले की 36.73% छात्राएं तथा बैतूल की 18.88% छात्राएं हिन्दी विषय में उत्तीर्ण थीं। झाबुआ जिले में 4.48%, धार में 17.75% तथा बैतूल में 2.71% छात्राएं अंग्रेज़ी विषय में उत्तीर्ण थीं। झाबुआ जिले में 11.37% छात्राएं, धार जिले की 16.53% छात्राएं तथा बैतूल की 16.08% छात्राएं गणित विषय में उत्तीर्ण थीं। झाबुआ जिले में 7.58% छात्राएं, धार जिले की 17.55% छात्राएं तथा बैतूल की 11.

18% छात्राएं पर्यावरण विषय में उत्तीर्ण थीं। झाबुआ जिले में 2.01% छात्राएं, धार जिले की 8.97% छात्राएं तथा बैतूल की 1.39% छात्राएं सभी विषय में उत्तीर्ण थीं। सत्र 2013–14 में तीनों जिलों में कक्षा छठवीं में कुल 1199 छात्राओं में से 923 छात्राएं प्रवेश पूर्व परीक्षा में सम्मिलित हुई। 239 (25.89%) छात्राएं हिन्दी विषय में, 104 (11.26%) छात्राएं अंग्रेज़ी में, 137 (14.84%) छात्राएं गणित में तथा 52 (5.63%) छात्राएं सभी विषयों उत्तीर्ण थी।

सारणी क्रमांक 2 झाबुआ, धार और बैतूल जिलों की कक्षा सातवीं की छात्राओं के विषयवार उपलब्धि परीक्षण के परिणामों का विवरण (सत्र 2014–15)

जिला	नामांकित छात्राएं	उपस्थित छात्राएं	विषय												उत्तीर्ण छात्राएं	अनुत्तीर्ण छात्राएं
			हिन्दी		अंग्रेज़ी		गणित		विज्ञान		सा.विज्ञान		संस्कृत			
			उत्तीर्ण	अनुत्तीर्ण	उत्तीर्ण	अनुत्तीर्ण	उत्तीर्ण	अनुत्तीर्ण	उत्तीर्ण	अनुत्तीर्ण	उत्तीर्ण	अनुत्तीर्ण	उत्तीर्ण	अनुत्तीर्ण		
झाबुआ	344	257	108 (42.02%)	149 (57.98)	24 (9.33%)	233 (90.67%)	25 (9.72%)	232 (90.28%)	38 (14.78%)	219 (85.22%)	54 (21.01%)	203 (78.99%)	41 (15.95%)	216 (84.05%)	17 (6.61%)	240 (93.39%)
धार	682	647	442 (68.31%)	205 (31.69%)	155 (23.95%)	492 (76.05%)	159 (24.57%)	488 (75.43%)	232 (35.85%)	415 (64.15%)	282 (43.58%)	365 (56.42%)	180 (27.82%)	467 (72.18%)	133 (20.55%)	514 (79.45%)
बैतूल	191	152	70 (46.05%)	82 (53.95%)	30 (19.73%)	122 (80.27%)	34 (22.36%)	118 (77.64%)	37 (24.34%)	115 (75.66%)	55 (36.18%)	97 (63.82%)	35 (23.02%)	117 (76.98%)	24 (15.78%)	128 (84.22%)
कुल	1217	1056	620 (58.71%)	436 (41.29%)	209 (19.79%)	847 (80.21%)	218 (20.64%)	838 (79.36%)	307 (29.07%)	749 (70.93%)	391 (37.02%)	665 (62.98%)	256 (24.24%)	800 (75.76%)	174 (16.47%)	882 (83.83%)

व्याख्या एवं विश्लेषण

सारणी क्रमांक 2 के अनुसार झाबुआ, धार और बैतूल जिलों में संचालित कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों (छात्रावास) की कक्षा सातवीं की छात्राओं के विषयवार उपलब्धि परीक्षणों के परिणामों का विवरण दिया गया है। झाबुआ जिले में 42.02: छात्राएं, धार जिले की 68.31: छात्राएं तथा बैतूल की 46.05: छात्राएं हिन्दी विषय में उत्तीर्ण थीं। झाबुआ जिले में 9.33:ए धार में 23.95: तथा बैतूल में 19.73: छात्राएं अंग्रेज़ी विषय में उत्तीर्ण थीं। झाबुआ जिले में 9.72: छात्राएं, धार जिले की 24.57: छात्राएं तथा बैतूल की 22.36: छात्राएं गणित विषय में उत्तीर्ण थीं। झाबुआ जिले में 14.78: छात्राएं, धार जिले की 35.85: छात्राएं तथा बैतूल की 24.34: छात्राएं विज्ञान विषय में उत्तीर्ण थीं। झाबुआ जिले में 21.01: छात्राएं, धार जिले की 43.58: छात्राएं तथा बैतूल की 36.18: छात्राएं सा.विज्ञान विषय में उत्तीर्ण थीं। झाबुआ जिले में 15.95: छात्राएं, धार जिले की 27.82: छात्राएं तथा बैतूल की 23.02: छात्राएं संस्कृत विषय में उत्तीर्ण थीं। झाबुआ जिले में 6.61: छात्राएं, धार जिले की 20.55: छात्राएं तथा बैतूल की 15.78: छात्राएं सभी विषय में उत्तीर्ण थीं। झाबुआ, धार एवं बैतूल जिलों में से धार जिले की छात्राओं का प्रदर्शन बैतूल और झाबुआ जिलों की अपेक्षा श्रेष्ठ था। सत्र 2014–15 में तीनों जिलों में कक्षा सातवीं में कुल 1217 छात्राओं में से 1056 छात्राएं उपलब्धि परीक्षण में सम्मिलित हुईं। 620 (58.71:) छात्राएं हिन्दी विषय में, 209 (19.79:) छात्राएं अंग्रेज़ी विषय में, 118 (20.64:) छात्राएं गणित में, 307 (29.07:) छात्राएं विज्ञान में, 391 (37.02:) छात्राएं सा. विज्ञान में तथा 256 (24.24:) छात्राएं संस्कृत में उत्तीर्ण थीं 174 (16.47:) छात्राएं सभी विषयों में उत्तीर्ण थीं।

सारणी क्रमांक 3 कक्षा छठवीं (सत्र 2013–14) व कक्षा सातवीं (सत्र 2014–15) में अध्ययनरत छात्राओं के उपलब्धि परीक्षण के परिणामों की तुलनात्मक स्थिति

जिला	सत्र	कक्षा	नामांकित छात्राएं	उपस्थित छात्राएं	उत्तीर्ण छात्राएं	उत्तीर्ण छात्राओं का प्रतिशत	अनुत्तीर्ण छात्राएं	अनुत्तीर्ण छात्राओं का प्रतिशत
झाबुआ	2013-14	छठवीं	337	290	06	2.06%	284	97.94%
	2014-15	**सातवीं**	**344**	**257**	**17**	**6.61%**	**240**	**93.39%**
धार	2013-14	छठवीं	666	490	44	08.97%	446	91.03%
	2014-15	**सातवीं**	**682**	**647**	**133**	**20.55%**	**514**	**79.45%**
बैतूल	2013-14	छठवीं	196	143	02	1.39%	141	98.61%
	2014-15	**सातवीं**	**191**	**152**	**24**	**15.78%**	**128**	**84.22%**

व्याख्या एवं विश्लेषण

सारणी क्रमांक 3 के अनुसार झाबुआ, धार और बैतूल जिलों में संचालित कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों (छात्रावास) में कक्षा छटवीं (सत्र 2013–14) एवं कक्षा सातवीं (सत्र

2014–15) की छात्राओं के उपलब्धि परीक्षण के परिणामों की तुलनात्मक स्थिति दर्शायी गई है। झाबुआ जिले में कक्षा छठवीं में 2.06: छात्राएं, तथा कक्षा सातवीं में 6.61: छात्राएं, धार जिले में कक्षा छठवीं में 8.97: छात्राएं तथा कक्षा सातवीं में 20.55: तथा बैतूल जिले में कक्षा छठवीं में 1.39: तथा कक्षा तथा सातवीं में 15.78: छात्राएं, उत्तीर्ण थीं। झाबुआ, धार एवं बैतूल जिलों में से धार जिले की छात्राओं का प्रदर्शन बैतूल और झाबुआ जिलों की अपेक्षा श्रेष्ठ था जबकि झाबुआ और बैतूल में बैतूल की छात्राओं का उत्तीर्ण प्रतिशत अधिक था।

सारणी क्रमांक 4 रसत्र 2013–14 में कक्षा छठवीं व सत्र 2014–15 में कक्षा सातवीं में अध्ययनरत छात्राओं की समान विषयों में(हिन्दी, अंग्रेज़ी व गणित) में तुलनात्मक स्थिति

जिला	सत्र	कक्षा	नामांकित छात्राएं	उपस्थित छात्राएं	हिन्दी		अंग्रेजी		गणित		उत्तीर्ण	अनुत्तीर्ण
					उत्तीर्ण	अनुत्तीर्ण	उत्तीर्ण	अनुत्तीर्ण	उत्तीर्ण	अनुत्तीर्ण		
झाबुआ	2013-14	छठवीं	337	290	32 (11.03%)	258 (88.97%)	13 (4.48%)	277 (95.52%)	33 (11.37%)	257 (88.63%)	6 (2.06%)	284 (97.94%)
	2014-15	सातवीं	344	257	108 (42.02%)	149 (57.98%)	24 (9.33%)	233 (90.67%)	25 (9.72%)	232 (90.28%)	17 (6.61%)	240 (93.39%)
धार	2013-14	छठवीं	666	490	180 (36.73%)	310 (63.27%)	87 (17.75%)	409 (82.25%)	81 (16.53%)	409 (83.47%)	44 (8.97%)	446 (91.03%)
	2014-15	सातवीं	682	647	442 (68.31%)	205 (31.69%)	155 (24%)	492 (76%)	159 (24.58%)	488 (75.42%)	133 (20.55%)	514 (79.45%)
बैतूल	2013-14	छठवीं	196	143	27 (18.88%)	116 (81.12%)	04 (2.79)	139 (97.21%)	23 (16.08%)	120 (83.92%)	02 (1.39%)	141 (98.61%)
	2014-15	सातवीं	191	152	70 (46.05%)	82. (53.95%)	30 (19.73%)	122 (80.27%)	34 (22.36%)	118 (77.64%)	24 (15.78%)	128 (84.22%)

व्याख्या एवं विश्लेषण

सारणी क्रमांक 4 के अनुसार कक्षा छठवीं (सत्र 2013–14) एवं कक्षा सातवीं (सत्र 2014–15) में अध्ययनरत छात्राओं के उपलब्धि

परीक्षण लिये गए। झाबुआ जिले में कक्षा छठवीं में 11.03% छात्राएं, तथा कक्षा सातवीं में 42.02% छात्राएं, धार जिले में कक्षा छठवीं में 36.73% छात्राएं तथा कक्षा सातवीं में 68.31% तथा बैतूल जिले में कक्षा छठवीं में 18.88% कक्षा सातवीं में 46.05% छात्राएं, हिन्दी विषय में उत्तीर्ण थीं। झाबुआ जिले में कक्षा छठवीं में 4.48% छात्राएं, तथा कक्षा सातवीं में 9.33% छात्राएं, धार जिले में कक्षा छठवीं में 17.75% छात्राएं तथा कक्षा सातवीं में 24% तथा बैतूल जिले में कक्षा छठवीं में 2.79%, कक्षा सातवीं में 19.73% छात्राएं, अंग्रेज़ी विषय में उत्तीर्ण थीं। झाबुआ जिले में कक्षा छठवीं में 11.37% छात्राएं, तथा कक्षा सातवीं में 9.72% छात्राएं, धार जिले में कक्षा छठवीं में 16.53% छात्राएं तथा कक्षा सातवीं में 24.58% तथा बैतूल जिले में कक्षा छठवीं में 16.08%, कक्षा सातवीं में 22.36% छात्राएं, गणित विषय में उत्तीर्ण थीं। झाबुआ जिले में कक्षा छठवीं में 2.06% छात्राएं, तथा कक्षा सातवीं में 6.61% छात्राएं, धार जिले में कक्षा छठवीं में 8.97% छात्राएं तथा कक्षा सातवीं में 20.55% तथा बैतूल जिले में कक्षा छठवीं में 1.39% कक्षा सातवीं में 15.78% छात्राएं, सभी विषयों में उत्तीर्ण थीं। झाबुआ, धार एवं बैतूल जिलों में से धार जिले की छात्राओं का प्रदर्शन बैतूल और झाबुआ जिलों की अपेक्षा श्रेष्ठ था। जबकि झाबुआ और बैतूल में बैतूल की छात्राओं का उत्तीर्ण प्रतिशत अधिक था।

सारणी क्रमांक 5 छात्राओं को दी जाने वाली आर्थिक सुविधाओं का विवरण

जिला	भोजन सम्बन्धी सुविधाएं			बिजली की व्यवस्था	पानी की व्यवस्था	स्वास्थ्य सुविधाएं		शैक्षिक सुविधाएं		सुरक्षा सम्बन्धी सुविधाएं	स्वच्छता सम्बन्धी सुविधाएं	खेल सम्बन्धी सुविधाएं	
	नाश्ता एवं भोजन	दूध	मौसमी फल			प्राथमिक उपचार व्यवस्था	स्वास्थ्य परीक्षण सुविधाएं	शैक्षिक सामग्री	उपचारात्मक षिक्षण	चौकीदार की व्यवस्था		खेल का मैदान	खेल सामग्री
झाबुआ	पर्याप्त	नहीं	सप्ताह में एक या दो बार	पर्याप्त	पर्याप्त	पर्याप्त	मासिक	पर्याप्त	पर्याप्त	व्यवस्था है	पर्याप्त	पर्याप्त	पर्याप्त
धार	पर्याप्त	नहीं	सप्ताह में एक या दो बार	पर्याप्त	पर्याप्त	पर्याप्त	मासिक	पर्याप्त	पर्याप्त	व्यवस्था है	पर्याप्त	पर्याप्त	पर्याप्त
बैतूल	पर्याप्त	नहीं	सप्ताह में एक या दो बार	पर्याप्त	पर्याप्त	पर्याप्त	मासिक	पर्याप्त	पर्याप्त	व्यवस्था है	पर्याप्त	पर्याप्त	पर्याप्त

व्याख्या एवं विश्लेषण

सारणी क्रमांक 5 के अनुसार झाबुआ, धार और बैतूल जिलों में संचालित कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों (छात्रावास) में छात्रावास में सुबह का नाश्ता, दोपहर का भोजन एवं रात्रि भोजन की व्यवस्था पर्याप्त है, अधिकतर छात्रावासों में दूध एवं फल की पर्याप्त व्यवस्था नहीं है। प्राथमिक उपचार की पर्याप्त व्यवस्था है, प्रत्येक छात्रा को शैक्षिक सामग्री दी जाती है उपचारात्मक शिक्षिकाओं की व्यवस्था की गई है। सुरक्षा हेतु पूर्णकालिक पुरूष चौकीदार की तथा छात्रावास में साफसफाई हेतु अंशकालिक सफाईकर्मियों की व्यवस्था की गई है। छात्रावासों में खेल का मैदान इनडोर व आउटडोर खेल सामग्री की पर्याप्त व्यवस्था है।

सारणी क्रमांक 6 वित्तीय व्यवस्था (आवंटित व व्यय राशि का विवरण)

जिला	2013–14							2014–15						
	पूर्व शेष राशि	बैंक द्वारा प्राप्त ब्याज	राज्य/जिला शिक्षा केन्द्र से प्राप्त राशि	कुल प्राप्त राशि	व्यय राशि	बैंक में शेष राशि	नगद शेष राशि	पूर्व शेष राशि	बैंक द्वारा प्राप्त ब्याज	राज्य/जिला शिक्षा केन्द्र से प्राप्त राशि	कुल प्राप्त राशि	व्यय राशि	बैंक में शेष राशि	नगद शेष राशि
झाबुआ	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–
धार	14368930.82	518256	19098594	34885780.82	33878594.99	4622159.83	900	3708162	198769	31501764	39785295	36808220	2762085	–
बैतूल	8527399.39	224919	5135266	14995584.24	12947423	2047360.39	801	48161.39	74098	14466296	14588554.8	12910090.5	1678464.39	–

व्याख्या एवं विश्लेषण

सारणी क्रमांक 6 में झाबुआ, धार व बैतूल जिलों के कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों में जिलेवार कुल आंवटित व व्यय राशि का विवरण दिया गया है। झाबुआ जिले द्वारा आवंटित व व्यय राशि की जानकारी अप्राप्त है। धार जिले में सत्र 2013–14 में संचालित 13 कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों में से 9 (ज्ञानपुरा, ज़ीराबाद, तिरला, कापसी, भमौरी, उपड़ि, सिंघाना, चंदाबड व सुसारी) केन्द्रों की जानकारी के आधार पर आंवटित व व्यय राशि का विवरण दिया गया है। पूर्व शेष राशि 14368930.82, बैंक द्वारा प्राप्त ब्याज 518256,

राज्य शिक्षा केन्द्र /जिला शिक्षा केन्द्र से प्राप्त राशि 19098594, कुल प्राप्त राशि 34885780.82, व्यय राशि 33878594.99, बैंक में शेष राशि 4622159.83, व नगद शेष राशि 900 थी। धार जिले में सत्र 2014–15 में संचालित 13 कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों में से 8 (ज्ञानपुरा, तिरला, कापसी, भमौरी, उपड़ि, सिंघाना, चंदाबड व सुसारी) केन्द्रों की जानकारी के आधार पर आंवटित व व्यय राशि का विवरण दिया गया है। पूर्व शेष राशि 3708162, बैंक द्वारा प्राप्त ब्याज 198769, राज्य शिक्षा केन्द्र/जिला शिक्षा केन्द्र से प्राप्त राशि 31501764, कुल प्राप्त राशि 39785295, व्यय राशि 36808220, बैंक में शेष राशि 2762085, व नगद शेष राशि शून्य थी।

बैतूल जिले में सत्र 2013–14 में संचालित 4 कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों में सभी केन्द्रों की जानकारी के आधार पर आंवटित व व्यय राशि का विवरण दिया गया है। पूर्व शेष राशि 8527399.39, बैंक द्वारा प्राप्त ब्याज 224919, राज्य शिक्षा केन्द्र /जिला शिक्षा केन्द्र से प्राप्त राशि 5135266, कुल प्राप्त राशि 14995584.24, व्यय राशि 12947423, बैंक में शेष राशि 2047360.39, व नगद शेष राशि 801 थी। बैतूल जिले में सत्र 2014–15 में संचालित सभी केन्द्रों की जानकारी के आधार पर आंवटित व व्यय राशि का विवरण दिया गया है। पूर्व शेष राशि 48161.39, बैंक द्वारा प्राप्त ब्याज 74098, राज्य शिक्षा केन्द्र/जिला शिक्षा केन्द्र से प्राप्त राशि 14466296, कुल प्राप्त राशि 14588554.8, व्यय राशि 12910090.5, बैंक में शेष राशि 1678464.39 व नगद शेष राशि शून्य थी।

सारणी क्रमांक 7 पालकों द्वारा बालिकाओं को विद्यालय न भेजने के कारण

क्रं	केन्द्र का नाम	बालिकाओं को विद्यालय न भेजने के कारण						
		घरेलू कार्य	कृषि कार्य या मजदूरी	पालकों की जागरूकता में कमी	बालिकाओं की स्वयं की अरूचि	गरीबी	विद्यालय दूर होने के कारण	असुरक्षा का भय
1	झाबुआ	202 (33.66%)	178 (29.66%)	37 (6.16%)	17 (2.87%)	130 (21.66%)	28 (4.66%)	8 (1.33%)
2	धार	375 (28.84%)	430 (33.10%)	93 (7.15%)	40 (3.07%)	289 (22.23%)	48 (3.69%)	25 (1.92%)
3	बैतूल	65 (16.25%)	76 (19%)	60 (15%)	14 (3.5%)	151 (37.75%)	22 (5.5%)	12 (3%)

व्याख्या एवं विश्लेषण

सारणी क्रमांक 7 में वार्डन व सहायक वार्डन के अनुसार पालकों पर अपनी बालिकाओं को विद्यालय न भेजने का कोई एक कारण न होकर अनेक कारण हैं जैसे गरीबी के कारण, वह स्वयं मजदूरी करते हैं इनकी बालिकाएं घर के कार्य व छोटे भाई बहनों को संभालती हैं या वह स्वयं भी अपने पालकों के साथ कृषि या मजदूरी करती हैं। छात्रावास में शोधकर्ता ने पाया कि बुआई

के समय तथा कटाई के समय अधिकांश छात्राएं कृषि कार्य हेतु अपने गांव अधिक दिनों के लिए जाती हैं जिससे उनकी पढ़ाई प्रभावित होती है।

सारणी क्रमांक 8 छात्राओं के शैक्षिक विकास में किये जा रहे प्रयासों का विवरण

जिला	छात्राओं की उपस्थिति तथा फॉलोअप	बालिका प्रोफाइल का संधारण	उपचारात्मक शिक्षण	नियमित शैक्षिक कार्यो का मूल्यांकन	अकादमिक गतिविधियों का संचालन	सम्पर्क / अभिप्रेर–णात्मक शिविर	ग्रीष्म कालिन शिविर
झाबुआ	किया जाता है	किया गया है	व्यवस्था है	किया जाता है	होता है	संचालित किये जाते हैं	संचालित किये जाते हैं
धार	किया जाता है	किया गया है	व्यवस्था है	किया जाता है	होता है	संचालित किये जाते हैं	संचालित किये जाते हैं
बैतूल	किया जाता है	किया गया है	व्यवस्था है	किया जाता है	होता है	संचालित किये जाते हैं	संचालित किये जाते हैं

व्याख्या एवं विश्लेषण

सारणी क्रमांक 8 में झाबुआ, धार एवं बैतूल जिलों में संचालित कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों (छात्रावास) में छात्राओं के शैक्षिक विकास हेतु किये जा रहे प्रयासों का विवरण दिया गया है। झाबुआ, धार एवं बैतूल जिलों में छात्राओं की उपस्थिति तथा फॉलोअप, बालिका प्रोफाइल का संधारण, उपचारात्मक शिक्षण, नियमित शैक्षिक कार्यो का मूल्यांकन, अकादमिक गतिविधियों का संचालन, अभिप्रेरणात्मक शिविर व ग्रीष्मकालीन शिविर का संचालन छात्राओं के शैक्षिक विकारा के लिए किया जा रहा है।

सारणी क्रमांक 9 बालिकाओं के व्यक्तित्व विकास हेतु किये जाने वाले प्रयासों का विवरण

क्रं	जिला	हाऊस संचालन	विभिन्न प्रतियोगितायें	राष्ट्रीय पर्व / जयंतियाँ, विभिन्न त्यौहारों का आयोजन	शैक्षिक भ्रमण	कॅरियर कांउसलिंग	दूरदर्शन पर प्रसारित नैतिक कार्यक्रम
1	झाबुआ	किया जाता है	आयोजित की जाती है	आयोजन किया जाता है	व्यवस्था है	की जाती है	दिखाये जाते हैं
2	धार	किया जाता है	आयोजित की जाती है	आयोजन किया जाता है	व्यवस्था है	की जाती है	दिखाये जाते हैं
3	बैतूल	किया जाता है	आयोजित की जाती है	आयोजन किया जाता है	व्यवस्था है	की जाती है	दिखाये जाते हैं

व्याख्या एवं विश्लेषण

सारणी क्रमांक 9 में झाबुआ, धार एवं बैतूल जिलों में संचालित कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों (छात्रावास) में छात्राओं के व्यक्तित्व विकास हेतु किये जाने वाले प्रयासों का विवरण दिया गया है। छात्राओं के व्यक्तित्व विकास हेतु हाऊस संचालन की व्यवस्था है जिनमें प्रतिमाह विभिन्न प्रतियोगितायें आयोजित की जाती हैं। इसके अतिरिक्त राष्ट्रीय पर्व, जयंतियाँ तथा विभिन्न त्यौहारों का आयोजन किया जाता है। छात्राओं को जागरूक करने के लिये शैक्षिक भ्रमण व कॅरियर काउंसलिंग करवाई जाती है तथा दूरदर्शन पर शैक्षिक व नैतिक कार्यक्रमों को दिखाया जाता है।

अकादमिक व्यवस्था का मूल्यांकन

- छात्राओं के शैक्षिक स्तर में सुधार हेतु निरंतर प्रयास किये जाते हैं।
- छात्रावास में शिक्षण हेतु उपचारात्मक शिक्षण की व्यवस्था का निरीक्षण किया जाता है।
- उपचारात्मक शिक्षकों की संख्या, योग्यता व प्रशिक्षण के अभाव के कारण तथा इनके मानदेय में कमी, आवागमन की असुविधा व असुरक्षा का भय आदि कारणों से शैक्षिक गतिविधियाँ प्रभावित हो रही हैं।
- छात्राओं के सी व डी ग्रेड में आने पर उनके शैक्षिक स्तर में सुधार हेतु विशेष प्रयास किये जाते हैं।
- छात्राओं के व्यक्तित्व के विकास के लिये प्रयास किये जाते हैं।
- उपचारात्मक शिक्षिकाएं अधिकांशतः दो समय की जगह एक ही समय आती हैं जिससे शिक्षण कार्य प्रभावित होता है।

वित्तीय व्यवस्था का मूल्यांकन

- कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय के संचालन हेतु अधिंकाशतः समय पर पर्याप्त राशि राज्य / जिला शिक्षा केन्द्र द्वारा आवंटित की जाती है।
- छात्रावासों में मदवार राशि का आवंटन व व्यय किया जाता है। एक मद की राशि दूसरे मद में व्यय नहीं की जाती है।
- दिशा निर्देश के अनुसार ही राशि का व्यय किया जाता है।

प्रशासनिक व्यवस्था का मूल्यांकन

- छात्रावास में भोजन व्यवस्था और आवासीय व्यवस्था का निरीक्षण किया जाता है।
- प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा नए सत्र में प्रवेश के समय वस्तुस्थिति का अवलोकन किया जाता है।

- छात्राओं की छात्रावास में उपस्थिति का सतत् निरीक्षण किया जाता है।
- उपचारात्मक शिक्षिकाओं की नियुक्ति व उनके कार्यसंचालन का अवलोकन किया जाता है।
- छात्रावास के संचालन हेतु आवंटित राशि व व्यय की गई राशि की विस्तृत जानकारी अधिकारियों द्वारा ली जाती है।
- छात्रावास में संधारित रिकार्ड्स का समय–समय पर अधिकारी निरीक्षण करते हैं।
- प्रशासनिक अधिकारी छात्रावास में रहने वाली छात्राओं से सम्पर्क कर उनकी समस्याओं व प्रगति का निरीक्षण करते हैं।

परिकल्पनाओं का सत्यापन

परिकल्पना क्रमांक 1

तीनों जिलों की उपलब्धि परीक्षण सम्बन्धी सारणी क्रमांक1,2,3 एवं 4 की व्याख्या एवं विश्लेषण से स्पष्ट है कि धार तथा बैतूल जिले में अकादमिक गतिविधियों के संचालन की दृष्टि से सत्र 2013–14 एवं सत्र 2014–15 में उत्तरोत्तर वृद्धि हो रही है जबकि झाबुआ जिले में अपेक्षित वृद्धि नहीं हो पाई।

अतः परिकल्पना क्रमांक 1 ''मध्यप्रदेश के झाबुआ, धार तथा बैतूल में संचालित कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय (छात्रावासों) में अकादमिक दृष्टि से सार्थक अंतर नहीं होगा'' यह परिकल्पना आंशिक रूप से स्वीकृत होती है।

परिकल्पना क्रमांक 2

तीनों जिलों की आर्थिक सुविधाओं से संबंधित सारणी क्रमांक 5 का विश्लेषण करने के उपरांत ज्ञात हुआ की झाबुआ, धार तथा बैतूल जिलों में संचालित कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों (छात्रावासों) में बालिकाओं को प्रदान की जाने वाली आर्थिक सुविधाएं समान हैं।

अतः परिकल्पना क्रमांक 2 ''मध्यप्रदेश के झाबुआ, धार एवं बैतूल जिलों में संचालित कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों (छात्रावासों) में बालिकाओं को प्रदान की जाने वाली आर्थिक सुविधाओं में सार्थक अंतर नहीं होगा'' स्वीकृत होती है।

परिकल्पना क्रमांक 3

''झाबुआ, धार एवं बैतूल जिलों में संचालित कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों (छात्रावासों) के सुचारू संचालन में आ रहे आर्थिक अवरोधात्मक कारणों में सार्थक अंतर नहीं होगा''।

झाबुआ जिले के किसी भी केन्द्र से आंवटित राशि व मदवार व्यय राशि यह जानकारी प्राप्त नहीं हुई। धार जिले के अधिकांश केन्द्रों द्वारा तथा बैतूल जिले के सभी केन्द्रों द्वारा यह जानकारी प्राप्त हुई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों के सूचारू

संचालन में कोई आर्थिक अवरोधात्मक कारण नहीं है।

सभी केन्द्रों (23 कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों) द्वारा जानकारी उपलब्ध न होने के कारण इसका विश्लेषण एवं व्याख्या नहीं की जा सकी अतः यह परिकल्पना अस्वीकृत होती है।

परिकल्पना क्रमांक 4

सारणी क्रमांक 7 की व्याख्या एवं विश्लेषण से स्पष्ट है कि झाबुआ, धार एवं बैतूल जिलों में संचालित कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों (छात्रावासों) के सुचारू संचालन में आ रहे सामाजिक अवरोधात्मक कारण समान हैं।

अतः परिकल्पना क्रमांक 4 ''मध्यप्रदेश के झाबुआ, धार एवं बैतूल जिलों में संचालित कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों (छात्रावासों) में बालिकाओं को प्रदान की जाने वाली सामाजिक अवरोधात्मक कारणों में सार्थक अंतर नहीं होगा'' स्वीकृत होती है।

परिकल्पना क्रमांक 5

सारणी क्रमांक 8 की व्याख्या एवं विश्लेषण से स्पष्ट है कि झाबुआ, धार एवं बैतूल जिलों में संचालित कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों (छात्रावासों) में शैक्षिक विकास हेतु किये जा रहे प्रयास समान है।

अतः परिकल्पना क्रमांक 5 ''मध्यप्रदेश के झाबुआ, धार एवं बैतूल जिलों में संचालित कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों (छात्रावासों) में शैक्षिक विकास के लिए किये जा रहे प्रयासों में कोई सार्थक अंतर नहीं होगा'' स्वीकृत होती है।

परिकल्पना क्रमांक 6

सारणी क्रमांक 9 की व्यख्या एवं विश्लेषण करने के उपरांत ज्ञात हुआ कि झाबुआ, धार एवं बैतूल जिलों में संचालित कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों (छात्रावासों) में बालिकाओं के व्यक्तित्व विकास हेतु किये जा रहे प्रयासों में कोई अंतर नहीं है।

अतः परिकल्पना क्रमांक 6 ''मध्यप्रदेश के झाबुआ, धार एवं बैतूल जिलों में संचालित कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों (छात्रावासों) में बालिकाओं के व्यक्तित्व विकास हेतु किये जा रहे प्रयासों में कोई सार्थक अंतर नहीं होगा'' स्वीकृत होती है।

निष्कर्ष

- म.प्र. के झाबुआ, धार तथा बैतूल जिलों में संचालित कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय में अकादमिक गतिविधियाँ लगभग एक समान हैं।
- झाबुआ जिला अधिक पिछड़ा होने के कारण वहाँ उपचारात्मक शिक्षिकाओं का अभाव रहता है। विषयवार व प्रशिक्षित शिक्षिकाएं न मिलने के कारण छात्राओं के शैक्षिक स्तर में अपेक्षित सुधार नहीं हुआ है।

- म.प्र. के झाबुआ, धार तथा बैतूल जिलों में संचालित कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों में बालिकाओं को प्रदान की जाने वाली आर्थिक सुविधाएं समान हैं।
- म.प्र. के झाबुआ, धार तथा बैतूल जिलों में संचालित कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों के सुचारू संचालन में कोई आर्थिक अवरोधात्मक कारण नहीं है।
- म.प्र. के झाबुआ, धार तथा बैतूल जिलों में संचालित कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों के सुचारू संचालन में आ रहे सामाजिक अवरोधात्मक कारण समान हैं।
- म.प्र. के झाबुआ, धार तथा बैतूल जिलों में संचालित कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों में शैक्षिक विकास के लिए किए जा रहे प्रयास समान हैं।
- म.प्र. के झाबुआ, धार तथा बैतूल जिलों में संचालित कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों में बालिकाओं के व्यक्तित्व विकास हेतु किए जा रहे प्रयास समान हैं।
- कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय (छात्रावास) में अध्ययनरत छात्राओं को पांचवी कक्षा के आधार पर प्रवेश दिया जाता है। उनका उपलब्धि स्तर बहुत निम्न होता है। बालिकाओं को मूल विषय (हिन्दी, अंग्रेज़ी व गणित) का अक्षर ज्ञान भी नहीं होता है।
- आठवीं कक्षा तक उनके उपलब्धि स्तर में उत्तरोत्तर वृद्धि हुई है।
- यदि प्रवेश पूर्व परीक्षा के उपरांत इन छात्राओं को ब्रिज कोर्स अथवा उपचारात्मक शिक्षण करवाया जाता तब शोधार्थी द्वारा लिए गए प्रवेश पूर्व परीक्षणों के परिणाम बेहतर होते।
- शोधार्थी द्वारा लिए गए प्रवेश पूर्व परीक्षा के परिणामों से यह परिलक्षित होता है कि शासकीय विद्यालयों से आने वाले विद्यार्थियों का स्तर अति निम्न होता है। जिसका कारण कक्षा 1 से 5 तक फेल न करना है।
- अधिकांश छात्रावास दूरस्थ क्षेत्रों में होने के कारण एक वार्डन व एक चौकीदार 150–200 छात्राओं की सुरक्षा हेतु पर्याप्त नहीं है।
- छात्राओं को दी जाने वाली मौलिक सुविधाएं पर्याप्त हैं।

संदर्भ ग्रंथ सूची :

- मानव संसाधन विकास मंत्रालय (2013) ''कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय का द्वितीय राष्ट्रीय मूल्यांकन'' एजुकेशन पोर्टल म.प्र., क.गा.बा.वि.।
- राजशेखर वी. (2005) ''ऐ रे ऑफ होप फॉर एजुकेशनली बेकवर्ड गर्ल्स'' पीआईबी–प्रेस इंफर्मेशन ब्योरो, http://pib.nic.in/release/release.asp?relict=9407
- सिंह मीनाक्षी निशांत (2006) महिला सशक्तिकरण का सच, प्रथम संस्करण, पृ.क्र. 12।